



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चुरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

"The High Court passes an order and the hearing date nears, which is when the JDA starts its action, and this attitude of the JDA is responsible for encroachment in Jaipur." (Gopal Sharma, BJP MLA, to ANI)

Aging Without Nagging

HOW PLANTS KNOW WHEN TO BLOOM?

‘अमेरिका में मोदी विरोधी लोग दीपके और सीजेपी को “फण्ड” कर रहे हैं’

अमेरिकन सिंगर मेरी मिलीबेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया, हालांकि, उन्होंने फंड करने वालों के नाम नहीं बताए

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। अमेरिका में रहने वाले कुछ दानदाताओं द्वारा अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को पैसा देने के आरोप ने भारत में असहमति, विदेशी दखल और राजनीतिक आंदोलनों की फंडिंग को लेकर चल रही बहस में एक संवेदनशील मुद्दा खड़ा कर दिया है। अगर यह दावा सही साबित होता है, तो देश के भीतर राजनीतिक गतिविधियों में बाहरी लोगों की भूमिका पर सवाल उठ सकते हैं। तथापि, खतरा यह है कि दस्तावेजी सबूतों के बिना यह गंभीर आरोप सिर्फ एक ऐसा राजनीतिक नैरेटिव बनकर रह जाएगा, जिसे साबित करने वाले तथ्य मौजूद नहीं हैं।

अमेरिकी गायिका और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की समर्थक मेरी मिलबेन ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया कि मोदी का विरोध करने वाले अमेरिका के कुछ दानदाता दीपके और सीजेपी को पैसा दे रहे हैं, ताकि भारत में शासन

■ अमेरिकन सिंगर के इस दावे के बाद भारत में विदेशी फंडिंग के मुद्दे पर भारी बहस छिड़ गई। हालांकि, दीपके ने पूर्व में कहा था कि वे और आशुतोष रांका आर्थिक योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि सीजेपी के रजिस्ट्रेशन की कोशिश चल रही है और फिर वे क्राउड फंडिंग से धन जुटाएंगे।

■ हालांकि, अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित होता हो कि सीजेपी को विदेशी फंडिंग मिल रही है, फिलहाल यह मुद्दा आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित लग रहा है।

व्यवस्था को बाधित किया जा सके। हालांकि, इस विवाद पर अब तक सामने आई सार्वजनिक रिपोर्टों में कथित दानदाताओं की पहचान, दी गई रकम या ऐसे किसी भरोसेमंद वित्तीय लेन-देन का पता नहीं चला है, जो उन्हें इस आंदोलन से जोड़ता हो।

राजनीतिक रूप से यह अंतर मायने रखता है। अगर किसी घरेलू संगठन को विदेश से फंडिंग मिलने की बात साबित

होती है, तो उसके पैसों के स्रोत, कानूनी स्थिति और लागू नियमों के पालन की जांच हो सकती है। लेकिन किसी विदेशी सरकार की भागीदारी या बाहर से चलाए जा रहे राजनीतिक अभियान का आरोप साबित करने के लिए अतिरिक्त सबूत जरूरी हैं। केवल निजी विदेशी चंदे से ये बातें अपने आप साबित नहीं हो जातीं।

दीपके ने आंदोलन की फंडिंग के बारे में अलग बात कही है। 10 अक्टूबर

को प्रकाशित लोकसत्ता के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वे और उनके दोस्त, जिनमें आशुतोष रांका भी शामिल हैं, पैसे का योगदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद, क्राउडफंडिंग, यानी आम लोगों से छोटे-छोटे योगदान लेकर पैसा जुटाने की योजना है। उन्होंने कहा, शुरुआती विरोध प्रदर्शन के दौरान समर्थकों ने व्यावहारिक मदद दी थी।

इन बातों से आंदोलन के लिए पैसों के कम से कम कुछ स्रोतों की जानकारी मिलती है। लेकिन इससे उसके पूरे वित्तीय हिसाब का पता नहीं चलता और न ही यह पूरी तरह साबित होता है कि उसे किसी अन्य स्रोत से पैसा नहीं मिला।

14 अक्टूबर को दीपके ने मिलबेन के दखल पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीयों को अपने देश के राजनीतिक मतभेदों को बिना बाहरी दखल के सुलझाने में सक्षम होना चाहिए। उनके जवाब ने इस बात की ओर ध्यान खींचा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाहनों पर काली फिल्म व रंगीन शीशे क्यों लगे हैं?

जयपुर, 14 अक्टूबर। ने रोक के बावजूद प्रदेश की सड़कों पर चल रहे वाहनों पर काली फिल्म और रंगीन शीशे लगे होने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वरेषणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में

■ बार एसोसिएशन सदस्यों ने हाई कोर्ट से कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के खिलाफ हैं।

मुख्य सचिव, परिवहन विभाग के सचिव, परिवहन आयुक्त व डीजीपी के पक्षकार बनाया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश एक डेथ रेफरेंस पर सुनवाई के दौरान लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर दिए। अदालत ने हाईकोर्ट प्रशासन को कहा कि वह इस मामले को सीजे के समक्ष रखे, ताकि इसे जनहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शाह ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को वोटर लिस्ट में शामिल कराने का आरोप लगाया

बदले में कांग्रेस ने अमित शाह से एसआईआर पर पूछे तीन सवाल

■ कांग्रेस ने पूछा, कितने घुसपैठियों की पहचान हुई, कितनों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए और कितने घुसपैठियों को देश से बाहर भेजा गया है?

■ शाह ने दावा किया कि 2029 का चुनाव भी एनडीए भारी बहुमत से जीतेगा।

■ कांग्रेस ने 14 करोड़ भारतीयों को एसआईआर द्वारा वोटर लिस्ट से हटाने की आलोचना की और पूछा, क्या गृह मंत्री यह कहना चाहते हैं कि 14 करोड़ भारतीय घुसपैठिए हैं।

जनता नेन्द्र मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के साथ है। आप इस सच्चाई को नकार नहीं सकते।”

शाह ने कहा कि भारत की जनता “घुसपैठियों के नाम मतदाता के रूप में दर्ज कराए जाने” की राहुल गांधी की

योजनाओं को जानती है।

उन्होंने कहा था, “मैं राहुल गांधी जी से सीधे पूछना चाहता हूं: क्या यह एसआईआर का नतीजा है? एसआईआर की शुरुआत तो 2024 के बाद ही हुई है।”

शाह ने कहा, “जब से आप कांग्रेस के प्रमुख नेता बने, फिर पार्टी अध्यक्ष बने और अब लोकसभा में विपक्ष बने और अब कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। आपको आत्ममंथन करना चाहिए। मनगढ़ंत मीडिया कार्यक्रमों और झूठ को बार-बार दोहराने से आप देश की जनता का भरोसा नहीं जीत सकते।”

इसके जवाब में कांग्रेस ने गृह मंत्री से पूरे मामले का ब्योरा देने की मांग की। रमेश ने लिखा, “सौ करोड़ भारतीयों को एसआईआर की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। उन्हें इसके नतीजों के बारे में जानने का पूरा अधिकार है।” उन्होंने कहा, “सच्चाई यह है कि “शाह इन्स्टीट्यूट रिमूवल” (एसआईआर) के सूत्रधार बार-बार घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर, असली मुद्दे

से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की हताश जोड़ी ने करीब 14 करोड़ भारतीयों को वोट देने के उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया है।”

रमेश ने आगे कहा, “क्या गृह मंत्री यह कहना चाहते हैं कि ये 14 करोड़ भारतीय घुसपैठिए हैं? क्या गृह मंत्री के रूप में उनकी असवधानी से देश में घुसपैठियों की संख्या में इतनी भारी बढ़ोतरी हुई है?”

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने भी इसी तरह हमला बोला। खड्गे ने लिखा, “गृह मंत्री द्वारा एसआईआर से बाहर किये गए 13.3 करोड़ भारतीयों को ‘घुसपैठिया’ बताया भारतीयता का अपमान है।” (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाइजैक अलर्ट के बाद एयर इंडिया विमान जयपुर डायवर्ट

जाँच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, विमान को दोपहर 2:24 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया

■ एयर इंडिया की फ्लाईट एआई2030 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) को सुबह 9:45 बजे जयपुर हवाई अड्डे पर उतारा गया।

■ विमान को आइसोलेशन में रखा गया। विमान में 300 यात्री सवार थे।

■ सूत्रों का कहना है कि तकनीकी खराबी से अलर्ट का बटन दब गया था, इसकी वजह से हाईजैक का संदेश अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल तक पहुंचा जिसके बाद विमान को जयपुर डायवर्ट किया गया।

के उतरने के लिए सीढ़ियां लगावाईं। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की पूरी तरह जांच किए जाने के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को उतरने की अनुमति दी गई। एयरलाइन ने बुधवार

को पहले बताया था कि यात्रियों को यात्रा की तारीख बदलने के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के विकल्प या टिकट रद्द करने की स्थिति में पूरा रिफंड देने की पेशकश की गई।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब

9 बजे अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को विमान से कुछ सेकंड के लिए स्क्वॉक-7500 कोड का संकेत मिला था। विमानन क्षेत्र में इस कोड का इस्तेमाल हाईजैक की स्थिति का संकेत देने के लिए किया जाता है। इसके बाद एटीसी ने जयपुर सहित, संबंधित एजेंसियों को सूचना दी। सुबह करीब 9:10 बजे विमान का मार्ग बदलकर जयपुर की ओर कर दिया गया और 9:45 बजे इसकी लैंडिंग कराई गई।

विमान उतरने के बाद, उसे पार्किंग क्षेत्र से दूर आइसोलेशन-बे में रखा गया। एयरपोर्ट पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) सहित, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभाला। विमान में सवार करीब 300 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीला ड्रम हत्याकांड में मुस्कान व साहिल को मृत्युदंड

मेरठ, 14 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के चर्चित सौभष राजपूत हत्याकांड में बुधवार को जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने दोषी साहिल शुक्ला और मुस्कान

■ मेरठ के इस चर्चित हत्याकांड की सुनवाई 13 माह चली।

रस्तोगी को फांसी की सजा सुनाई। लगभग 13 माह चली इस सुनवाई में 22 गवाहों के बयान के आधार पर न्यायालय ने फैसला सुनाया। अपने गुनाहों की सजा पाये जाने पर दोनों की आंखों में आंसू आ गए।

जिला कारागार से बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों की पेशी हुई। कोर्ट ने सजा सुनाने से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)